बी०ए० I

समाज शास्त्र

PAGE NO.
DATE: / /

## सामाजिक संस्थाएं : विवाह

विवाह रूपी संस्था किसी न किसी रूप में विश्व के सभी समाजों में पायी जाती है। विवाह ही परिवार एवं नातेदारी का आधार है। हिन्दुओं में विवाह संस्था का सामाजिक संरचना में एक विशिष्ट स्थान है।

**विवाह का अर्थ —**

विवाह का शाब्दिक अर्थ है, 'उद्वह' अर्थात वधू को वर के घर ले जाना

**लूसी मेयर के अनुसार —** "वह स्त्री-पुरुष का ऐसा योग है जिसमें स्त्री से जन्मा बच्चा माता-पिता की सन्तान वैध माना जाय"

**डब्ल्यू० एच० आर० रिवर्स के अनुसार —** "जिन साधनों द्वारा मानव समाज यौन सम्बन्धों का नियमन करता है उन्हें विवाह की संज्ञा दी जा सकती है।"

**वेस्टरमार्क के अनुसार —** विवाह एक या अधिक पुरुषों का एक या अधिक स्त्रियों के साथ होने वाला वह सम्बन्ध है जिसे प्रथा या कानून स्वीकार करता है।"

वोगार्डस के अनुसार — "विवाह स्त्री-पुरुष के पारिवारिक जीवन में प्रवेश करने की एक संस्था है"

## विवाह के प्रकार –

मानव समाज के विकास के साथ-साथ विवाह के भी विभिन्न प्रकार अस्तित्व में आए हैं पति पत्नि की संख्या आधार पर विवाह के प्रकार प्रकारों को हम निम्न प्रकार रेखांकित कर सकते हैं।

### विवाह के प्रकार

- एक विवाह
- बहुविवाह
  - बहुपत्नि विवाह
  - बहुपतिविवाह
  - द्वि-पत्नि विवाह
  - समूह विवाह

1 **एक विवाह** — उस विवाह को एक-विवाह कहना चाहिए जिसमें न केवल एक पुरुष की एक पत्नी एक स्त्री का एक ही पति हो बल्कि दोनों में से किसी की मृत्यु हो जाने पर भी दूसरा पक्ष अन्य विवाह न करे.

**एक विवाह के लाभ** — एकविवाह से सीमित परिवार उपेक्षतया अधिक स्थाई माना जाता है।

PAGE NO.
DATE: / /

बहु-विवाह — जब एकाधिक पुरुष अथवा स्त्रियां विवाह बन्धन में बंधते हैं।
तो ऐसे विवाह को बहुविवाह कहते हैं।

बहुपति विवाह —

डा० कापड़िया के अनुसार — "बहुपति विवाह एक प्रकार का सम्बन्ध है।
जिसमें स्त्री के एक समय में एक से अधिक पति होते हैं
जिसमें सब भाई एक पत्नि या पत्नियों का सम्मलित रूप से उपभोग करते हैं।"
यह प्रथा तिब्बत में देहरादून के जौन सार बावर परगना टिहरी गढ़वाल तथा शिमला की पहाड़ियों मे .

वहुपत्नी विवाह (Polygyny)

बहुविवाह एक रूप बहुपत्नी विवाह भी है जिसमें एक पुरुष एकाधिक स्त्रियों से विवाह करता है। बहुपत्नि विवाह का प्रचलन वैदीक युग से वर्तमान समय तक प्रचालित है।
बहुपत्नि प्रथा धनी शासक एंव अभिजात वर्ग के लोगो में समान्य थी बहुपत्नि विवाह के दो रूप पाये जाते हैं।
① सीमित एंव ② असीमित

PAGE NO.
DATE / /

## समूह विवाह (Group marriage)

समूह विवाह में पुरुषो का एक समूह स्त्रियो के एक से विवाह करता है। और समूह का प्रत्येक पुरुष समूह की प्रत्येक स्त्री का पति होता है परिवार और विवाह कि प्रारम्भिक अवस्था में यह स्थिति रही होगी यह प्रथा आस्ट्रेलिया की जनजातियों में पायी जाती है। एक कुल की सभी लड़किया दूसरे कुल की भावी पत्निया समझी जाती है
टोडा लोगों में बहु पतित्व एंव बहु पत्नीत्व का सम्मिश्रण हो रहा है। क्योकि उन्होने बालिका वध की प्रथा त्याग दी है।

प्रसिद्ध विद्वान मरडॉक ने 253 समाजो का अध्ययन करने पर पाया कि 193 समाजो में बहुविवाह का 43 समाजो में एकविवाह का और केवल एकसमाज में बहुपति प्रथा तथा शेष अन्य विवाह ~~प्रचलन~~ प्रथा का प्रचलन था।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया